सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 173 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 30 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
–सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शुभमन गिल फिर बने वनडे के... 7
बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव पता... 3
भाजपा सरकार के समय शिक्षा... 2

राहुल गांधी को रोकने की नई सरकारी पटकथा!

इडियट और अंधभक्त शब्दों से बौखला गयी सरकार

» संसद के मकर द्वार पर कांग्रेस का प्रदर्शन
» पैलेट गन विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के आज नौवें दिन का राजनीतिक तापमान आसमान पर है और असाधारण बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपनी बात पूरी तरह रखने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।

राहुल गांधी खुद कह चुके हैं कि उनका माइक बंद कर दिया जाता है और उनके भाषण पर शोर मचाया जाता है। आज कांग्रेस पार्टी ने इसी मुद्दे को लेकर संसद के मकर द्वार पर तगड़ा प्रदर्शन किया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का कहना है कि सरकार राहुल गांधी को न सड़क पर रोक सकी और न ही सदन में रोक पाएगी। वह कोशिशें जितनी चाहे कर लें राहुल आम जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे।

सड़क से सदन तक रोके नहीं रूक रहे राहुल गांधी

9वें दिन भी लोकसभा में प्रश्नकाल हंगामे की भेंट चढ़ गया।

"जिन घटनाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं उनकी जिम्मेदारी सरकार की है। कार्रवाई किसके आदेश पर हुई और इसके लिए जवाबदेह कौन है? राहुल गांधी ने कोई कार्रवाई नहीं की इसलिए माफी मांगने का सवाल नहीं उठता।"
— पवन खेड़ा, कांग्रेस नेता

इडियट और अधंभक्त

सदन में एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। अपने भाषण में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिन पर सत्ता पक्ष ने तत्काल आपत्ति दर्ज कराई। इसके बाद आरोप-प्रत्यारोप तेज हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी से माफी मांगने और तथ्यों के साथ बात रखने की बात कही। इसी दौरान सदन में इतना शोर शराबा हुआ कि लोकसभा अध्यक्ष को सदन की कार्रवाई पूरे दिन के लिए स्थगित करनी पड़ी। कल के एपिसोड के बाद अब यह विवाद केवल एक भाषण का नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे विपक्ष की आवाज दबाने का मुद्दा बना रही है जबकि सरकार का कहना है कि संसदीय मर्यादा और तथ्यों की जिम्मेदारी से कोई समझौता नहीं हो सकता। और यही कारण है कि एक बार फिर विपक्ष और सरकार आमने सामने है और किसी समझौते के आसार दूर है। संसद के इस शीतकालीन सत्र में विपक्ष पहले दिन से हमलावर है। आज राज्यसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पर चर्चा प्रस्तावित है जबकि लोकसभा में कांग्रेस नए दलबदल विरोधी कानून पर चर्चा की मांग भी उठा रही है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि मानसून सत्र केवल विधायी कार्यवाही तक सीमित नहीं रहेगा ? बल्कि यह राजनीतिक संदेशों संसदीय रणनीतियों और लोकतांत्रिक विमर्श की दिशा तय करने वाला सत्र भी बनता जा रहा है।

गृह मंत्री से जवाबदेही की मांग

कांग्रेस और विपक्षी दलों के नेताओं ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए मुद्दों पर जवाबदेही की मांग की। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद में राहुल गांधी की आवाज को रोकने का प्रयास किया गया और सरकार को सवालों का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राहुल गांधी के भाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा? कि पूरे मामले की जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री की है। गृह मंत्री को देश और संसद के सामने अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए और देश के युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। सरकार को युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जवाब देना होगा। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि सरकार के पास संख्या बल होने के कारण विधेयक का पारित होना तय था लेकिन संसद में जिस तरह की स्थिति बनी उससे सरकार का डर दिखाई दिया। राहुल गांधी को बोलने से रोकने की कोशिश की गई और उनके भाषण के दौरान बार-बार व्यवधान डाला गया। विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाता रहेगा।

पेलेट गन इस्तेमाल पर कोर्ट में बहस

भीड़ नियंत्रण में पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई हुई। यह याचिका 20 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान घायल हुए तीन लोगों की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने बिना पर्याप्त कारण पैलेट गन का इस्तेमाल किया जिससे कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। उन्होंने अदालत से मांग की है कि नागरिक प्रदर्शनों के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए और भीड़ नियंत्रण के लिए कम घातक तथा मानवीय विकल्प अपनाने के निर्देश दिए जाएं। याचिका में कहा गया है कि पैलेट गन से होने वाली चोटें कई मामलों में स्थायी शारीरिक क्षति का कारण बन सकती हैं। इसलिए ऐसे हथियारों का प्रयोग केवल अत्यंत असाधारण परिस्थितियों तक सीमित होना चाहिए। साथ ही, इस मामले की स्वतंत्र जांच और जिम्मेदारी तय करने की मांग भी की गई है। दूसरी ओर सुरक्षा एजेंसियों का सामान्य रुख यह रहा है कि हिंसक और अनियंत्रित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए परिस्थितियों के अनुरूप बल प्रयोग करना पड़ता है। उनका कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य की जिम्मेदारी है और हर स्थिति में उपलब्ध विकल्पों का निर्णय मौके की परिस्थितियों के आधार पर किया जाता है। आज की सुनवाई इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि अदालत के समक्ष केवल एक घटना नहीं, बल्कि यह व्यापक सवाल भी है कि लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान बल प्रयोग की संवैधानिक सीमाएं क्या हैं। यदि सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में कोई अंतरिम निर्देश का प्रभाव भविष्य में भीड़ नियंत्रण से जुड़ी नीतियों, पुलिस की कार्यप्रणाली और नागरिक अधिकारों की बहस पर भी पड़ सकता है।

संबंधित खबर पेज 8 पर

नौवें दिन भी कार्रवाई ठप्प

मानसून सत्र के 9वें दिन भी लोकसभा में प्रश्नकाल हंगामे की भेंट चढ़ गया। स्पीकर ओम बिरला ने आज फिर विपक्ष के हंगामे की वजह से महज दो मिनट के अंदर लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सुबह 11 बजे संसद सत्र की शुरुआत होने पर लोकसभा में कॉमनवेल्थ गेम्स-26 में भारत के पदक विजेताओं को बधाई दी गई। इसके बाद स्पीकर ने प्रश्नकाल की कार्यवाही का संचालन किया। हालांकि विपक्ष ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक-26 पर बहस के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण के मुद्दे पर नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष के हंगामे पर स्पीकर ने कहा मैंने कई बार आग्रह किया है कि प्रश्नकाल संसद सदस्यों का अधिकार है। प्रश्नकाल के अंदर सरकार की जवाबदेही भी तय होती है। मैंने सदन के माध्यम और फ्लोर लीडरों की बैठक में भी सभी से आग्रह किया कि सदन में प्रश्नकाल को बाधित न करें। प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। इसके बावजूद विपक्ष के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। स्पीकर ने पूछा कि आप प्रश्नकाल नहीं चलाना चाहते हैं? इसके बाद जब विपक्ष के सदस्य शांत नहीं हुए तो स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

विपक्षी नेताओं ने सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा जिन घटनाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं उनकी जिम्मेदारी सरकार की है। कार्रवाई किसके आदेश पर हुई और इसके लिए जवाबदेह कौन है? राहुल गांधी ने कोई कार्रवाई नहीं की इसलिए माफी मांगने का सवाल नहीं उठता। कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने राहुल गांधी के बयान का बचाव करते हुए कहा कि माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता। राहुल गांधी अपनी बात मजबूती से रखते हैं और उनके उठाए गए मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने भाजपा और विपक्ष के बीच वैचारिक मतभेद का भी जिक्र किया। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज कुमार झा ने भी राहुल गांधी का समर्थन किया। उन्होंने सवाल उठाया कि राहुल गांधी को किस बात के लिए माफी मांगनी चाहिए? अगर किसी घटना में कार्रवाई हुई है लाठीचार्ज हुआ है या अन्य बलों का इस्तेमाल हुआ है तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद नीरज मौर्य ने कहा कि विपक्ष के नेता अपनी बात रख रहे थे लेकिन सत्ता पक्ष लगातार उन्हें बाधित कर रहा था।

सरकार नहीं चाहती कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। यहां तक कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा सदस्यों से शांत रहने की अपील भी की गई लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि विपक्ष की मांग रही है कि लाठीचार्ज मामले में चार्जशीट दाखिल होनी चाहिए। विधेयक आते-जाते रहेंगे लेकिन जनता से जुड़े मामलों पर चर्चा जरूरी है। मुंबई से कांग्रेस एमएलसी भाई जगताप ने भी राहुल गांधी का समर्थन किया। उन्होंने कहा है कि सरकार जानती है कि राहुल गांधी संसद में तथ्यों के आधार पर मुद्दे उठाते हैं। सरकार सवालों का सामना करने से बच रही है। राहुल गांधी युवाओं, किसानों, मजदूरों, बेरोजगारी और अन्य राष्ट्रीय मुद्दों को लगातार उठाते रहेंगे और सरकार को इन सवालों का जवाब देना होगा।

भाजपा सरकार के समय शिक्षा व्यवस्था चौपट : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- राज्य के हजारों विद्यालय बंद किए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर फिर एकबार हमला बोला है। उन्होंने योगी सरकार पर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने का आरोप लगाया है।

हालांकि उनके आरोपों को शिक्षा मंत्री संदीप सिह ने खारिज कर दिया है। सपा प्रमुख ने बोला कि राज्य के हजारों विद्यालय बंद कर दिए गए हैं। वहीं अखिलेश बोले कि संविधान बचेगा तभी बच पाएगा आरक्षण। इससे पहले सपा मुखिया ने शिक्षा मंत्री का इस्तीफा छात्रों के आंदोलन की पहली बड़ी जीत है और 27 में बदलाव तय है। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि यूपी में सबसे ज्यादा प्राइमरी स्कूल बंद हुए और गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के क्षेत्र में 500 प्राइमरी स्कूल बंद हुए। आरक्षण भी इनके एजेंडे में नहीं है।

'खाली स्कूलों में प्री-प्राइमरी पाठशालाएं संचालित होंगी'

यूपी के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) संदीप सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए योगी सरकार में प्राथमिक शिक्षा में किए गए सुधारों की चर्चा की और कहा कि कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को पास के विद्यालयों में विलय किया जाएगा और रिक्त विद्यालयों में प्री-प्राइमरी पाठशालाएं संचालित की जाएंगी। प्री-प्राइमरी कक्षाओं का संचालन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहली बार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नकल अध्यादेश लाकर शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया था जिसे पूर्ववर्ती सरकार ने रद्द कर दिया। उदाहरण के तौर पर पूर्ववर्ती सरकार के दौरान हुई विभिन्न परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक का जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम को बेहतर बनाया गया है और ऑपरेशन कायाकल्प के तहत परिषदीय विद्यालयों में 19 विभिन्न पैरामीटर पर 36 प्रतिशत से 97 प्रतिशत तक सुधार किया गया है।

सरकार को बताना चाहिए कि गोली चलाने का किसने दिया था आदेश

वहीं लोक सभा में पेपर लीक बिल सत्तापक्ष ने घेरा तो अखिलेश सामने आए । बता दें संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष लोक का तीखा विरोध किया और कहा कि राहुल गांधी ने गलत बयान दिया और उन्होंने अपने विशेषाधिकार का हनन करते हुए बयान दिया जिसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। सत्ता पक्ष के आक्रोश और राहुल गांधी के नहीं बोलने दिए जाने पर बीच बचाव के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव सामने आए। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो सरकार को बताना चाहिए कि किसने आदेश दिया था। अखिलेश यादव ने एक तरह से अपने विपक्षी साथी राहुल गांधी के सपोर्ट में अपनी बात रखने की कोशिश की। हालांकि, सत्तापक्ष के सदस्य राहुल गांधी के बयान से आहत नजर आए। उन्होंने 'राहुल गांधी माफी मांगो' की मांग तेज कर दी। दूसरी ओर, कांग्रेस के सदस्यों ने 'गृह मंत्री जवाब दो' के नारे लगाए।

बसपा में अब टिकट बांटने की जिम्मेदारी आकाश को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद अब प्रत्याशियों के चयन में अहम भूमिका निभाएंगे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उन्हें प्रत्याशियों के चयन की जिम्मेदारी सौंपी है।

» मायावती ने सौंपी जिम्मेदारी, होंगे कार्यकर्ता सम्मेलन

आकाश की अगुवाई में कार्यकर्ता सम्मेलन भी होंगे, जिसमें वह प्रत्याशी के नाम पर मुहर लगाएंगे। इसकी शुरुआत 1० अगस्त को हाथरस के सादाबाद से होगी। वहीं 25 अगस्त को नोएडा के जेवर में आयोजित सम्मेलन आकाश की अध्यक्षता में होगा। बता दें कि आकाश ने बीते सप्ताह अपने तीन दिवसीय राजधानी प्रवास पर आने के बाद बसपा सुप्रीमो से यूपी चुनाव को लेकर गहन मंथन किया था। उनके साथ पार्टी उपाध्यक्ष आनंद कुमार भी आए थे। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक आकाश के यूपी में प्रचार की शुरुआत करने से उनका कद बढ़ेगा। अभी तक आकाश को यूपी और उत्तराखंड की राजनीति से दूर रखा जा रहा था। इस फैसले से पार्टी आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद के सामने एक युवा चेहरे को बतौर चुनौती पेश कर सकेगी।

मैं भी एक जेन जी की माँ हूँ: ममता चौधरी

कांग्रेस महिला विंग मध्य जोन की प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी सांसद का फूंका पुतला

» ममता चौधरी बोलीं- राष्ट्र विरोधी तो खुद कंगना हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महिला विंग मध्य जोन की प्रदेश अध्यक्ष ममता चौधरी ने कहा आज हमने भाजपा सांसद कंगना रनौत और केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी का पुतला फूंका है। कंगना हमारी जेन जी पीढ़ी को गटर छाप कहती है मैं भी एक जेन जी की माँ हूँ अगर कोई हमारी कोख का अपमान करेगा तो हम उसे बख्शेंगे नहीं उसे उखाड़ फेकने का काम करेंगे।

लखनऊ में बुधवार को कांग्रेस महिला विंग ने भाजपा सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत और केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय कांग्रेस महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष ममता चौधरी और कांग्रेसी महिलाएं थाना बाजार खाला क्षेत्र में स्थित हैदरगंज चौराहे के पास जमा हुई । वहां से नारेबाजी करते हुए हजरतगंज गांधी प्रतिमा के लिए कूच किया। बाजार खाला क्षेत्र से लगभग 1०० मीटर चलने के बाद स्थानीय पुलिस ने गाड़ी लगाकर रास्ता बंद कर दिया और इन्हें रोक लिया। गुस्साए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कंगना और प्रहलाद जोशी का पुतला फूंक दिया। इस दौरान पुलिस से उनकी जमकर धक्का-मुक्की होने लगी। काफी प्रयास के बाद भी पुतला जलाने से पुलिस रोक नहीं पाई।

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कंगना और प्रहलाद जोशी के पोस्टर को पैरों से रौंद दिया। पुतला जलाने के बाद दोबारा महिलाएं हजरतगंज की ओर बढ़ने लगी। इसके बाद दौड़ा कर पुलिस ने पकड़ा और टांग कर हिरासत में ले कर थाने ले गई। दरअसल सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने न्यू जनरेशन की महिलाओं को गैर जिम्मेदार बताया था। उन्हें गटरछाप कहा था, उसी का विरोध किया।

वहीं नए केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी को बलात्कार करने वालों का समर्थक बताते हुए नाराजगी जताई। इससे गुस्सा कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने कंगना मुर्दाबाद , प्रहलाद जोशी मुर्दाबाद के नारे लगाए। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि कंगना ने जेन जेड की मां की कोख को गाली दिया है।

एचएयू में भाजपा ने नियुक्ति में चलाया भाई-भतीजावाद : राव

» कांग्रेस बोली- ऑडिट ने खोली सैनी सरकार की पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कुलपति की पत्नी की कैंपस स्कूल निदेशक पद पर नियुक्ति को लेकर भाजपा सरकार पर भाई-भतीजावाद का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) द्वारा उठाई गई आपत्तियां सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

चंडीगढ़ में जारी बयान में राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार बिना आवेदन आमंत्रित किए और निर्धारित भर्ती प्रक्रिया का पालन किए नियुक्ति की गई। इससे योग्य अभ्यर्थियों के समान अवसर के अधिकार का उल्लंघन हुआ और विश्वविद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि ऑडिट रिपोर्ट, मंडल आयुक्त की जांच और शिक्षा विभाग की आपत्तियों के बावजूद सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो यह स्पष्ट होगा कि नियमों के उल्लंघन और भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा की शिक्षा व्यवस्था पहले से ही शिक्षकों के रिक्त पदों, जर्जर स्कूलों और भर्ती संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे समय में विश्वविद्यालयों में नियमों को दरकिनार कर नियुक्तियां करना बेहद चिंताजनक है। राव नरेंद्र ने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा सभी विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप बनाने की मांग की। कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच भी उठाएगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पीओजेके के हालात पर सरकार आवाज क्यों नहीं उठा रही : फारूक

» वहां के हालात पर केंद्र से नेंका अध्यक्ष ने पूछे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में जारी हालात को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार पीओजेके को भारत का हिस्सा मानती है, तो उसे वहां के हालात पर अपनी बात रखनी चाहिए।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को इस मुद्दे को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह कई बार अपील कर चुके हैं कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) को वहां जाकर स्थिति

का जायजा लेना चाहिए और लोगों की समस्याओं को समझने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार की ओर से पीओजेके में हिंसा रोकने को लेकर कोई स्पष्ट बयान सुनाई नहीं दिया है। फारूक ने सवाल किया कि अगर यह क्षेत्र भारत का हिस्सा है तो सरकार इस पर खुलकर बात क्यों नहीं कर रही है। पीओजेके में हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शन तेज हुए हैं। मंगलवार को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के कार्यकर्ताओं और सुरक्षाबलों के बीच झड़प में कई लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर सामने आई थी। भारत ने पहले ही पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए इसे पाकिस्तान द्वारा अपने कब्जे को छिपाने और क्षेत्र में मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान हटाने का प्रयास बताया है।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव

पता चलेगा भाव

अंतिम दिन दिग्गजों ने छानी मतदाताओं की गलियों की खाक

सभी सियासी दलों ने कसी थी कमर

» तेजस्वी भी पूरे जोश में, पीके को मिलेगी चुनौती

» भाजपा-जदयू अपने प्रत्याशी की जीत के लिए सजाई मैदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान समाप्त हो गया। आखिरी दिन सभी सियासी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी। वृहस्पतिवार को वोटिंग हुई। परिणाम के बाद चला चलेगा मतदाता ने किस सियासी दल का भाव बढ़ाया है। नडीए व महागठबंधन ने अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए जनता से वोट देने अपील की है। मतदान से पहले का अंतिम दिन राजनीतिक दलों के लिए सबसे अहम बन था। राजद और भाजपा दोनों ने अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में पूरी ताकत लगाई।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जहां राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता के पक्ष में मेगा रोड शो किया, वहीं भाजपा भी अपने उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के समर्थन में वरिष्ठ नेताओं के साथ जनसंपर्क अभियान चलाया। पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने वोट देने की गुजारिश की। भाजपा ने भी प्रचार अभियान के अंतिम चरण में पूरी ताकत दिखाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन चुनाव प्रचार में निकले। उन्होंने जनसंपर्क किया वह लोगों से भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगे। उन्होंने बांकीपुर के बांसघाट स्थित काली मंदिर, बोरिंग कैनाल रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर एवं बोरिंग रोड चौराहा स्थित शिव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। एक दिन पहले यानी सोमवार को नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और एनडीए प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा के साथ मेगा रोड शो किया था। वहीं बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से दूर-दूर चल रहे राजद नेता तेजस्वी यादव ने यहां के चुनावी संग्राम को एक नया अंदाज दे डाला। टी-20 के अंदाज में ताबड़तोड़ बैटिंग कर तेजस्वी यादव ने बीजेपी और जनसुराज के बीच की सीधी टक्कर को त्रिकोणात्मक एंगल दे डाला। तेजस्वी यादव की सोमवार को आक्रामक अंजाद में हुई एंट्री ने कई पुराने नैरेटिव ध्वस्त किए और नए नैरेटिव गढ़ डाले।

नाराज कुर्मी किधर जाएंगे सबसे बड़ा सवाल

प्रशांत किशोर ने अपरोक्ष रूप से इस बार कुर्मी जाति को जोड़ने की कोशिश की थी। दरअसल प्रशांत किशोर ने यह कह कर कुर्मी में नाराजगी भर दी थी कि सम्राट ने बाई हुक एंड कुक नीतीश कुमार से कुर्सी छीन ली है। अगर बांकीपुर की जनता बीजेपी के उम्मीदवार को हरा देगी तो सम्राट चौधरी के विरुद्ध संदेश केंद्र के पास जाएगा कि वे अलोकप्रिय मुख्यमंत्री है और नीतीश जी की वापसी हो जाएगी। इस लिहाज कुर्मी प्रशांत किशोर से जुड़ने लगे थे। कल तेजस्वी के रोड शो ने पीके के इस उम्मीद को भी ध्वस्त कर दिया। अब कुर्मी मत के स्वर विरोधी है तो उनकी नजर में अब केवल जनसुराज नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जनता दल भी आ चुका है।

दो दशकों में सरकार द्वारा किए गए कामों पर मांगा वोट

बांकीपुर के लोगों को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में अपनी सरकार द्वारा किए गए कामों का जिक किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में लोगों के भरोसे, समर्थन और आशीर्वाद से हमारी सरकार ने सुशासन, न्याय और विकास के लिए पूरी ईमानदारी से काम किया है। एनडीए उम्मीदवार के लिए समर्थन की अपील करते हुए उन्होंने आगे कहा, बिहार के विकास की रफ़्तार बनाए रखने और विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूरा करने के लिए हर एक वोट बहुत ज़रूरी है। मैं सभी मतदाताओं से अपील करता हूँ कि वे हृष्ठ के युवा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को अपना आशीर्वाद दें और भारी बहुमत से उनकी जीत सुनिश्चित करें।

पीके के मुस्लिम वोटर का बदला रुख?

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में कुछ दिन पहले तक यह लग रहा था कि बीजेपी और जन सुराज में सीधी टक्कर होने वाली है। राजद की उम्मीदवार रेखा गुप्ता का चुनाव लड़ने का अंदाज भी अलग था। लड़ रही थी राष्ट्रीय जनता दल से और अपने वाहन पर महावीरी झंडा लहरा रही थी। इससे एक गलत मैसेज भी जा रहा था। प्रशांत किशोर रेखा गुप्ता के इस चेहरे का एमवाई मीकरण के रहनुमाओं तक पहुंचा रहे थे। 12 प्रतिशत यादव के वोट और 8 से 10 प्रतिशत मुस्लिम के वोट के सहारे अब बीजेपी को हराने की जुगत प्रशांत किशोर बिठा चुके थे। इनकी सभा में प्रशांत किशोर तरह तरह के प्रस्ताव दे रहे थे। ये सारे लुभावने प्रस्ताव थे। पर तेजस्वी के रोड शो में जिस तरह से मुस्लिमों ने बड़ा प्रदर्शन दिखाया, वह प्रशांत किशोर के लिए किसी सेट बैक से कम नहीं। सवाल उठ रहा है क्या पीके को लेकर मुस्लिम वोटर का रुख बदला है?

नीतीश ने जनता से की अपील

नीतीश कुमार ने बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा के समर्थन में वीडियो अपील जारी कर मतदाताओं से बिहार के विकास के लिए उन्हें भारी बहुमत से जिताने का आग्रह किया है। 30 जुलाई को होने वाला यह उपचुनाव सत्ताधारी एनडीए और विपक्ष दोनों के लिए एक अहम राजनीतिक परीक्षा मानी जा रही है। सिन्हा के जमीनी स्तर से शुरू हुए राजनीतिक सफर को भी इस अपील में रेखांकित किया गया। बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग में बस दो दिन बचे हैं। ऐसे में, पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने सोमवार को वोटरों से नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के

उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा का समर्थन करने की अपील की। इस अहम उपचुनाव से पहले जारी एक वीडियो मैसेज में, कुमार ने वोटरों से एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में वोट करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के सफर को आगे बढ़ाने में हर वोट अहम भूमिका निभाएगा। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग 30 जुलाई को होनी है।

त्रिकोणात्म राह पर बांकीपुर उपचुनाव

तेजस्वी यादव के चुनावी प्रचार ने बांकीपुर का चुनावी मूड बदल डाला। संघर्ष एक बार फिर पुराने ढर्रे पर आ गया। मुद्दा आधारित चुनाव को किनार रखा और एक बार फिर जातीय और धर्म के ट्रैक पर आ गया। ऐसे में प्रशांत किशोर को भरत तिवारी एनकाउंटर का फायदा मिलता है तो सवर्ण वोट मिल सकते हैं। प्रशांत किशोर का दूसरा बड़ा टारगेट वैसी जनता है, जो विकास और सुशासन के नाम पर वोट देना चाहते हैं। एक और वर्ग है जो बदलाव के नाम पर वोट करना चाहते है। बीजेपी के आधार वोट में सवर्ण और वैश्य के साथ लव कुश तो है ही, अतिपिछड़ा और दलित का एक बड़ा वर्ग बीजेपी को वोट करना पसंद करता। राजद का आधार वोट एमवाई है। राजद का उम्मीदवार वैश्य जाति से है। वो वैश्य का कितना वोट काटती हैं। कुल मिलाकर बांकीपुर का जंग त्रिकोणात्मक रस्ते पर लुढ़क गया है। जो दल दूसरे दल के आधार वोट बैंक में सेंधमारी करेगी जीत उसी के हाथ लगेगी।

नीरज सिन्हा की जीत का नया रिकॉर्ड बनने की उम्मीद

सिन्हा की उम्मीदवारी का समर्थन करते हुए नवीन ने कहा कि जब 30 जुलाई को एनडीए के कार्यकर्ता और समर्थक वोट देने निकलेंगे, तो मुझे यकीन है कि नीरज सिन्हा की जीत एक नया रिकॉर्ड बनाएगी। आज मैं आपके सामने एक ऐसे उम्मीदवार को लेकर आया हूं जो कभी बीजेपी का एक आम कार्यकर्ता हुआ करता था। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत बूथ अध्यक्ष के तौर पर की, बाद में मंडल अध्यक्ष के रूप में काम किया और आज वे बीजेपी और एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। पांच बार के विधायक नितिन नवीन के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद बाकीपुर विधानसभा सीट खाली हो गई थी। इस उपचुनाव पर सबकी नजरें टिकी हैं क्योंकि इसे बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सत्ताधारी एनडीए और विपक्ष, दोनों के लिए एक अहम राजनीतिक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। उम्मीद है कि इसके नतीजे से शहरी बिहार के राजनीतिक मिजाज का शुरुआती संकेत मिल जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पौधरोपण ही नहीं उनका संरक्षण भी जरूरी

वृक्षारोपण के शोर बहुत होता पर पौधे लगाने के बाद उसका संरक्षण नहीं होता है। ऐसे वन केसै बढ़ेंगे। सरकारों को जवाबदेही तय करनी होगी। नहीं पेपर लीक जैसे आंदोलन होने में देर नही लगेगी। वहीं राजस्थान की धरती ने हमेशा पानी की हर बूंद और हर पेड़ की कीमत समझी है। यही कारण है कि यहां हरियाली को जीवन का पर्याय माना जाता है।

यूपी में जुलाई वर्षा के शुरू होते ही पौधरोपण के कई कार्यक्रम प्रारंभ हो जाते हैं। जिसमे वन महोत्सव के पखवाड़े के साथ जगह-जगह सरकारी विभागों द्वारा पौधे लगाए जाते हैं। पर एक छोटी सी खबर वायरल हो रही है जिसमे यूपी के एक जिले में जिस जगह पर पिछले साल मंत्री ने पौधे रोपे थे वहा सब नदारद था वहां फिर पौधे रोपे गए। ये हाल एक जिले का पूरे देश में है। वृक्षारोपण के शोर बहुत होता पर पौधे लगाने के बाद उसका संरक्षण नहीं होता है। ऐसे वन केसै बढ़ेंगे। सरकारों को जवाबदेही तय करनी होगी। नहीं पेपर लीक जैसे आंदोलन होने में देर नही लगेगी। वहीं राजस्थान की धरती ने हमेशा पानी की हर बूंद और हर पेड़ की कीमत समझी है। यही कारण है कि यहां हरियाली को जीवन का पर्याय माना जाता है। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस पेड़ को कभी हरियाली बढ़ाने, रेगिस्तान की रेत रोकने और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर लगाया गया था, वही आज प्रदेश की जैव विविधता, जल संसाधनों और वन्य जीवन का सबसे बड़ा 'शत्रु' बन चुका है।

विलायती बबूल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा) और दूसरी ओर जलकुंभी जैसी विदेशी आक्रामक प्रजातियां राजस्थान के पर्यावरण पर ऐसे 'हरे आक्रमण' का प्रतीक बन गई हैं, जो दिखाई तो हरियाली देती हैं, लेकिन भीतर से प्रकृति का दम घोंट रही हैं। पर्यावरण की असली ताकत पेड़ों की संख्या नहीं, बल्कि उसकी जैव विविधता होती है। यदि एक विदेशी प्रजाति सैकड़ों देशी पौधों का अस्तित्व निगल जाए, चरागाह खत्म कर दे, भूजल सोख ले और वन्यजीवों के लिए संकट पैदा कर दे, तो वह हरियाली नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी का विनाश है। यही कारण है कि आज जूलीफ्लोरा राजस्थान के जंगलों, अरावली, टाइगर रिजर्व और शहरों तक में फैलकर प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ रहा है। इस संकट की सबसे बड़ी सीख यह है कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने का नाम नहीं है। दशकों पहले बिना दीर्घकालिक वैज्ञानिक अध्ययन के विदेशी प्रजातियों को बढ़ावा देने का निर्णय आज भारी पड़ रहा है। यह वही भूल है, जिसका खामियाजा अब वन विभाग, किसान, पशुपालक और वन्यजीव सभी भुगत रहे हैं। सरकार ने 'विलायती बबूल हटाओ-चारागाह बचाओ अभियान' शुरू किया है, लेकिन इस चुनौती का आकार इतना बड़ा है कि केवल औपचारिक अभियान पर्याप्त नहीं होंगे। जरूरत मिशन मोड में काम करने की है। ड्रोन और जीआइएस आधारित मैपिंग, वैज्ञानिक तरीके से जड़ों सहित उन्मूलन, हटाए गए क्षेत्रों में तुरंत देशी घास और स्थानीय वृक्षों का रोपण तथा ग्राम पंचायतों से लेकर स्कूलों तक जनभागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गुस्से व उम्मीद से आंदोलन की कामयाबी

प्रो. पूर्णेंदु रंजन

गत 25 जुलाई को एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा जंतर-मंतर पर करीब एक महीने से चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के छात्र आंदोलन के दबाव का सीधा नतीजा था। युवाओं ने जो मांग रखी थी, वह लगभग पूरी तरह स्वीकार कर ली गई। प्रदर्शन समाप्त कर दिए गए। यह घटना स्वतंत्र भारत के छात्र आंदोलनों के इतिहास में एक उल्लेखनीय सफलता के रूप में दर्ज होगी। सीजेपी आंदोलन की शुरुआत साधारण नहीं थी। इसे अमेरिका में रह रहे इंडो-अमेरिकन अभिजीत दीपके ने शुरू किया। बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' कहे जाने वाले बयान को उन्होंने व्यंग्य के रूप में अपनाया और सोशल मीडिया के जरिए एक नई भाषा दी। यह डिजिटल व्यंग्य और सड़क पर धरने का मिश्रण था।

पारंपरिक छात्र संगठनों से अलग, यह शुरू में गैर-दलीय और आकांक्षा केंद्रित था। एनईईटी-यूजी 2026 के पेपर लीक ने इसे भड़काया था। परीक्षा की अनियमितताओं, छात्र आत्महत्याओं और व्यापक बेरोजगारी ने इसे राष्ट्रीय आंदोलन बना दिया। हालांकि, इस आंदोलन को व्यापक और टिकाऊ बनाने में पारंपरिक छात्र संगठनों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) समेत कई छात्र मोर्चों ने सीजेपी के साथ सक्रिय समर्थन दिया। इन संगठनों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और शहरों में प्रदर्शन, रैलियां और बंद के आह्वान किए। उनकी संगठनात्मक ताकत ने आंदोलन को सिर्फ जंतर-मंतर तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि पूरे देश में फैलाया। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन की पार्टियों ने भी लगातार दबाव बनाए रखा। संसद में विपक्षी सदस्यों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर सत्र बाधित किया। कई नेता जंतर-मंतर पहुंचे। सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब प्रदर्शनकारियों और सांसदों ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने का प्रयास किया।

पुलिस की कार्रवाई के दौरान धक्का-मुक्की हुई, जिसमें कई प्रदर्शनकारी घायल हुए। राहुल गांधी सहित कई नेताओं को पुलिस ने हटाया और हिरासत में लिया। इन घटनाओं ने आंदोलन को और तीखा बना दिया तथा सरकार पर दबाव और बढ़ा दिया। लंबे समय तक चुप्पी साधे रखने वाली मोदी

सरकार को अंतत: जवाब देना पड़ा। छात्र संगठनों व विपक्षी दलों के संयुक्त दबाव ने आंदोलन को साधारण धरने से कहीं आगे बढ़ा दिया। स्वतंत्र भारत में छात्र आंदोलन अक्सर गुस्से और उम्मीद का मिश्रण रहे हैं। 1970 के दशक का जेपी आंदोलन आपातकाल के खिलाफ था और उसने लोकतंत्र की बहाली में भूमिका निभाई। 11 का अन्ना हजारे का भारत भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन मध्यम वर्ग को सड़कों पर लाया और राजनीतिक परिदृश्य बदलने में सफल रहा। मंडल आंदोलन ने सामाजिक न्याय की दिशा बदली। इन आंदोलनों की तुलना में सीजेपी की सफलता ज्यादा तेज और ठोस दिखता है। प्रधान का इस्तीफा एक स्पष्ट और त्वरित नतीजा है। दुनिया भर में परीक्षा लीक की घटनाएं बार-बार होती रही हैं। चीन, मिस्र, बांग्लादेश और अमेरिका में भी ऐसे घोटाले सामने आए। लेकिन भारत में पैमाना बहुत बड़ा था। करोड़ों छात्रों के भविष्य पर असर पड़ा। सीजेपी ने इन लीक को युवा बेरोजगारी से जोड़कर देखा। ग्रेजुएट्स में लगभग 40 प्रतिशत को उपयुक्त नौकरी नहीं मिल पाती। यही वजह थी कि आंदोलन सिर्फ परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा। वैश्विक तुलना भी दिलचस्प है। बांग्लादेश के 2024 के छात्र आंदोलन ने कोटा व्यवस्था के खिलाफ शुरू होकर सरकार बदल दी। चिली के 2011 छात्र आंदोलन ने शिक्षा सुधारों को मजबूर किया। हांगकांग के 2019 आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल रणनीति अपनाई। सीजेपी ने इन सबकी कुछ खूबियों को अपनाया — व्यंग्य, सोशल मीडिया और निरंतर दबाव। लेकिन भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में यह दबाव ज्यादा प्रभावी साबित हुआ। अब सवाल यह है कि आगे क्या? सरकार ने कुछ मांगें स्वीकार की हैं- मुआवजा, मामलों की वापसी और सुधारों का वादा।

लेकिन असली परीक्षा अभी बाकी है। क्या परीक्षा प्रणाली में स्थायी बदलाव आएंगे? क्या कोचिंग संस्कृति और नौकरी के संकट पर ध्यान दिया जाएगा? इतिहास बताता है कि छात्र आंदोलन अक्सर त्वरित सफलता पाते हैं, लेकिन दीर्घकालिक सुधारों के लिए निरंतर दबाव जरूरी होता है। यह जीत युवा भारत की ताकत को रेखांकित करती है। जब आकांक्षाएं टूटती हैं, तो गुस्सा संगठित हो जाता है। सीजेपी ने दिखाया कि डिजिटल युग में भी सड़क और सोशल मीडिया का संयोजन प्रभावी हो सकता है।

विज्ञान-तकनीक के सहारे सुरक्षित बाघों की दुनिया

डॉ. सुशील द्विवेदी

हर वर्ष 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस मनाया जाता है। यह दिन बाघ संरक्षण के साथ प्रकृति और मानव जीवन में संतुलन के गहरे संबंध का स्मरण भी कराता है। बाघ केवल जंगल का राजा नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का प्रहरी है। जहां बाघ सुरक्षित हैं, वहां जंगल जीवित हैं; जहां जंगल सुरक्षित हैं, वहां नदियां बहती हैं, भूजल संरक्षित रहता है और जैव विविधता फलती-फूलती है। तभी कहा जाता है, 'टाइगर रहेगा तो इंसान भी रहेगा।' एक समय अवैध शिकार, जंगलों की सिकुड़न, अनियंत्रित शहरीकरण, खनन, सड़क-रेल परियोजनाओं तथा बढ़ते मानव-बाघ संघर्ष ने बाघों की संख्या को चिंताजनक स्तर तक पहुंचा दिया था। वर्ष 2006 में देश में केवल 1,411 बाघ शेष बचे थे। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों, वन विभाग, वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों तथा विभिन्न संस्थाओं ने समन्वित प्रयास शुरू किए।

आज विश्व के लगभग 75 प्रतिशत जंगली बाघ भारत में हैं। यह उपलब्धि केवल संरक्षण नीतियों का परिणाम नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान, तकनीक और जनभागीदारी के सफल प्रयोग का प्रमाण है। पिछले एक दशक में विज्ञान और तकनीक ने बाघ संरक्षण की तस्वीर बदल दी है। पहले जहां वनकर्मियों को कई दिनों तक जंगलों में पैदल घूमकर पगचिह्नों के आधार पर अनुमान लगाना पड़ता था, वहीं आज कैमरा ट्रैप, एआई, ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, जीपीएस कॉलर और डिजिटल डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों ने संरक्षण कार्य को अधिक सटीक, पारदर्शी और प्रभावी बना दिया है। कैमरा ट्रैप आज बाघ संरक्षण का सबसे विश्वसनीय उपकरण माना जाता है। ये विशेष कैमरे मोशन सेंसर की सहायता से किसी भी वन्यजीव की तस्वीर या वीडियो स्वत: रिकॉर्ड कर लेते हैं। बाघों की पहचान उनके शरीर पर बनी धारियों से होती है और प्रत्येक बाघ की धारियां मनुष्य के फिंगरप्रिंट की तरह अलग होती हैं। कैमरा ट्रैप से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिक प्रत्येक बाघ की अलग पहचान कर उसकी गतिविधियों, क्षेत्र, प्रजनन और संख्या का सटीक आकलन कर पाते हैं।

यही कारण है कि भारतीय बाघ गणना आज दुनिया की सबसे बड़ी वैज्ञानिक वन्यजीव निगरानी परियोजनाओं में गिनी जाती है। दरअसल, कैमरा ट्रैप से हर वर्ष लाखों तस्वीरें और वीडियो प्राप्त होते हैं। पहले इनका विश्लेषण करने में महीनों लग जाते थे, लेकिन अब एआई आधारित सॉफ्टवेयर कुछ ही घंटों में यह पहचान लेते हैं कि तस्वीर में बाघ है, तेंदुआ है, हाथी है या कोई अन्य वन्यजीव। इतना ही नहीं, एआई बाघों की धारियों का विश्लेषण करके उनकी व्यक्तिगत पहचान भी सुनिश्चित कर सकता है। इससे गणना अधिक सटीक हुई है और समय की उल्लेखनीय बचत हुई है। मशीन लर्निंग आधारित प्रणालियां बाघों की गतिविधियों का विश्लेषण कर यह बताने में सक्षम हैं कि किसी क्षेत्र में मानव-बाघ संघर्ष की आशंका कितनी है, किस दिशा में बाघों का आवागमन बढ़ रहा है और किन इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है। इस प्रकार एआई भविष्य की संभावित चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। घने जंगलों में ड्रोन तकनीक उपयोगी सिद्ध हुई है। आधुनिक ड्रोन उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों और थर्मल इमेजिंग सिस्टम से लैस होते हैं, जिससे वे रात के समय भी जंगलों की निगरानी कर सकते हैं। इनके माध्यम से अवैध शिकार करने वालों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है और जंगलों में आग लगने की प्रारंभिक जानकारी मिल सकती है।

इससे दुर्गम क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच बनाई जा सकती है। वहीं, अंतरिक्ष से प्राप्त चित्रों के आधार पर जंगलों में हो रहे परिवर्तनों की लगातार निगरानी की जाती है। यदि कहीं अवैध कटाई, अतिक्रमण या वन क्षेत्र में कमी दिखाई देती है तो संबंधित एजेंसियां तत्काल कार्रवाई कर सकती हैं। इससे बाघों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने में सहायता मिल रही है। आज अधिकांश टाइगर रिजर्व में वनकर्मी जीपीएस आधारित मोबाइल एप्लीकेशन की सहायता से गश्त करते हैं। उनकी गतिविधियां डिजिटल रूप से रिकॉर्ड होती हैं। किस क्षेत्र में कितनी गश्त हुई, कहां वन्यजीव दिखाई दिए, कहां संदिग्ध गतिविधियां मिलीं—सारी जानकारी तुरंत नियंत्रण कक्ष तक पहुंच जाती है। डिजिटल डेटा के विश्लेषण से सुरक्षा रणनीति तैयार की जाती है।

कुछ बाघों को विशेष जीपीएस रेडियो कॉलर भी पहनाए जाते हैं। इनके माध्यम से वैज्ञानिक उनकी लोकेशन, आवागमन, प्रजनन क्षेत्र और भोजन की तलाश से जुड़ी जानकारी प्राप्त करते हैं। यदि कोई बाघ मानव बस्तियों की ओर बढ़ रहा हो तो वन विभाग पहले से सतर्क होकर जरूरी कदम उठा सकता है। भोजन या नए क्षेत्र की तलाश में कभी-कभी बाघ गांवों तक पहुंच जाते हैं, जिससे मानव-बाघ संघर्ष की घटनाएं सामने आती हैं। अब एआई आधारित चेतावनी प्रणाली से संबंधित गांवों और वन अधिकारियों को तुरंत सूचना भेजी जाती है। इससे ग्रामीण सतर्क हो जाते हैं। बाघों के सामने आज सबसे बड़ा खतरा अवैध शिकार और वन्यजीव तस्करी है। अब एआई संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण करता है, ड्रोन जंगलों की निगरानी करते हैं और कैमरा ट्रैप संदिग्ध गतिविधियों की तस्वीरें रिकॉर्ड करते हैं। वहीं, डिजिटल नेटवर्किंग से वन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई पहले की तुलना में अधिक प्रभावी हुई है। भारत ने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से दुनिया में संरक्षण की एक नई मिसाल पेश की है।

ईको फ्रेंडली

इन जगहों पर मिलेगा सुकून और शांति

आज की तेज और प्रदूषण भरी जिंदगी में हर कोई कुछ समय प्रकृति के करीब बिताना चाहता है। शहरों की भागदौड़, ट्रैफिक और तनाव से दूर जाकर अगर आपको शांति और सुकून चाहिए, तो ईको-फ्रेंडली ट्रैवल एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आता है। ईको-फ्रेंडली जगहें न सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर होती हैं, बल्कि ये पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना घूमने का अनुभव भी देती हैं। भारत में ऐसी कई खूबसूरत जगहें हैं जहां आप हरियाली, साफ हवा और शांत माहौल का आनंद ले सकते हैं। ये डेस्टिनेशन खासतौर पर उन लोगों के लिए परफेक्ट हैं जो भीड़भाड़ से दूर, सस्टेनेबल और रिलैक्सिंग छुट्टियां बिताना चाहते हैं। यहां आपको लोकल संस्कृति, ऑर्गेनिक फूड और नेचर-फ्रेंडली लाइफस्टाइल का अनुभव भी मिलेगा। भारत की ये 5 ऐसी प्रमुख ईको-फ्रेंडली जगह हैं जहां जाकर आप खुद को रिफ्रेश कर सकते हैं और प्रकृति के साथ एक नया जुड़ाव महसूस कर सकते हैं।

कूर्ग

हरियाली और कॉफी के बागान सिर्फ ईको फ्रेंडली स्थल नहीं, आपके मन को हर्षित करने वाला गंतव्य भी बन चुका है। यह नजारा आपको कूर्ग में देखने को मिलता है। कुर्ग अपनी हरियाली, कॉफी बागानों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां के ईको-रिसॉर्ट्स और नेचर स्टे आपको प्रकृति के करीब रहने का अनोखा अनुभव देते हैं। यह जगह रिलैक्सेशन के लिए परफेक्ट है।

कुमाऊं

पहाड़ों में सुकून की तलाश में हैं तो कुमाऊं की यात्रा करें। कुमाऊं उत्तराखंड में स्थित है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम है जो कि 34 किमी दूर है। वहीं पंतनगर हवाई अड्डा 70 किमी की दूरी पर है। दिल्ली से कुमाऊं की दूरी 300-350 किमी है, जहां निजी टैक्सी, रोडवेज बस से 7-8 घंटे में सफर तय किया जा सकता है। कुमाऊं क्षेत्र अपने खूबसूरत पहाड़ों, जंगलों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां के ईको-स्टे और होमस्टे आपको प्रकृति के करीब रहने का मौका देते हैं।

औरोविल

शांति और सस्टेनेबल जीवन की तलाश कर रहे लोग भारत के ही एक शहर की यात्रा पर जा सकते हैं। तमिलनाडु राज्य के विलुप्पुरम जिले में ओरोविल शहर है। यह एक यूनिवर्सल टाउन है जिसे मानव एकता और सस्टेनेबल लिविंग के लिए बनाया गया है। यह चेन्नई से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण में कोरोमंडल तट पर स्थित है। यहां लोग ईको-फ्रेंडली जीवन जीते हैं। यहां मेडिटेशन, ऑर्गेनिक फार्मिंग और ग्रीन लिविंग का अनुभव मिलता है।

मावलिननॉन्ग गांव

मेघालय में स्थित मावलिननांग को साल 2003 में एशिया का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया। यह महिला प्रधान गांव 100 फीसदी साक्षरा, पूर्ण प्लास्टिक प्रतिबंध, अनोखे लिविंग रूट ब्रिज के लिए विश्व प्रसिद्ध है। मावलिननॉन्ग गांव अपनी सफाई और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल के लिए लोकप्रिय है। यहां प्लास्टिक का इस्तेमाल लगभग नहीं होता और लोग पर्यावरण के प्रति बेहद जागरूक हैं।

हंसना मना है

पति अपनी पत्नी से: मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी: ठीक है कुछ देर बाद। पति: मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी: नहीं अभी नहीं पति: क्यों? पत्नी: अभी मुझे उल्टी ही नही आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान में फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद, फादर: आपका रिजल्ट कैसा है? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तु बाप कहलाने का हक खो चूका है।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पर लिखा था, कृपया शोर ना करे, किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे..

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

थप्पड़ मारने पर नाराज वाइफ से हसबैंड बोला: आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाइफ ने हसबैंड को 2 थप्पड़ मारे और बोली आप क्या समझते है मैं आपसे प्यार नहीं करती।

कहानी | चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराज अकबर से पूछते हैं, 'महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं, 'तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूँजी निवेश बढ़ेगा।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुम्भ

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। भाइयों की मदद मिलेगी।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

गटन जेनरेशन वाले बयान पर कंगना पर भड़के विशाल ददलानी, कहा-

ये गालियां आपने खुद कमाई हैं, मेरे दोस्त।

विशाल ददलानी ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। उन्होंने जेन जी की भाषा और उनके सोशल मीडिया हैंडल पर इस्तेमाल किए जा रहे शब्दों पर बात रखी है। हाल ही में कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर गुस्से भरे रिएक्शन दिए हैं। इसके जवाब में, विशाल ने कहा है कि ध्यान इस बात पर दिया जाना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों के साथ कैसा बर्ताव किया गया।

इंस्टाग्राम पर विशाल ददलानी ने स्टूडेंट्स के बचाव में कड़े शब्दों वाला एक नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, खराब भाषा!? आपने सड़कों पर बच्चों को पीटा। उन पर पत्थर फेंके और उन्हीं को दोषी ठहराया! उन पर गोलियां चलाईं। आंसू गैस छोड़ी। उनके चेहरों पर पैलेट गन चलाई। आपके किराए के गुंडे अभी भी उन्हें धमका रहे हैं और पीट रहे हैं! ये गालियां आपने खुद कमाई हैं, मेरे दोस्त। अपनी पोस्ट के कैप्शन में, विशाल ने युवा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पब्लिक ओपिनियन बनाने की सुनियोजित कोशिशों पर भी निशाना साधा। उन्होंने लिखा, ओह, और... पैसे देकर स्टोरी-कैंपेन और इन्फ्लुएंसर कैंपेन चलाने से आप और भी दयनीय लगते हैं।

विशाल ददलानी का यह रिएक्शन तब आया जब भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत को स्टूडेंट्स प्रोटेस्टर्स के व्यवहार और उनके ऑनलाइन शेयर किए जा रहे वीडियो की आलोचना की। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में उन्होंने लिखा मैंने अपनी जिंदगी में कभी एक जगह इतनी बदसूरती नहीं देखी। जेन जी प्रोटेस्ट के ये रील्स उल्टी लाने वाले हैं। जिस तरह से वे बात करते हैं और जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं... मैंने अपनी जिंदगी में कभी हर फ्रेम में इतनी अजीब और भद्दी चीजें एक साथ नहीं देखीं।

फिल्म 'दायरा' में करीना कपूर के सिंघम लुक ने उड़ाए फैंस के होश

करीना कपूर खान बहुत जल्द पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दायरा में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है और हाल ही में इसका फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया गया।

इस पोस्टर को देखकर ऐसा जान पड़ता है कि फैन्स को फिल्म में डार्क और इन्वेस्टिगेटिव साइड देखने को मिल सकती है। पोस्टर एक दिलचस्प मिस्ट्री की ओर इशारा करता है, जिसमें करीना और सुकुमारन के चेहरे पर गंभीरता दिखाई दे रही है।

पोस्टर में दोनों एक्टर्स के शानदार क्लोज-अप शॉट्स दिखाए गए हैं, जो आमने-सामने हैं और दोनों के चेहरे पर गंभीर भाव हैं। करीना को पीछे की ओर बंधे हुए स्लीक हेयरस्टाइल, हल्के मेकअप और छोटे गोल्ड हूप इयररिंग्स में देखा जा सकता है, जबकि अच्छी तरह से ट्रिम की हुई मूंछ और छोटे बालों में नजर आ रहे हैं। पोस्टर के बैकड्रॉप में पीले रंग की पुलिस लाइन पार न करें टेप से घिरी एक धुंधली रोशनी वाली सुरंग दिखाई देती है, जो अपराध जांच की ओर इशारा करती है।

दोनों कलाकार खाकी वर्दी में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। फिल्म 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दायरा फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली फिल्ममेकर मेघना गुलजार ने किया है। वहीं यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने मिलकर इसकी कहानी लिखी है। फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन पहली बार साथ नजर आएंगे।

बॉलीवुड **ठगी**

कीर्ति कुल्हारी के क्रेडिट कार्ड से हो गई लाखों की शॉपिंग

साइबर ठग लगातार अपने जाल में लोगों को फंसाकर पैसे ऐंठने का काम कर रहे हैं इस बार उनके जाल में फिल्म जगत की जानी-मानी अभिनेत्री और निर्माता कीर्ति कुल्हारी भी फंस गई हैं। साइबर ठगों ने उनके क्रेडिट कार्ड की जानकारी का दुरुपयोग कर कुछ ही मिनटों में करीब 2.44 लाख रुपये की शॉपिंग कर डाली। मामले की शिकायत मिलने के बाद अंबोली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वर्सोवा के यारी रोड में रहने वाली 43 वर्षीय कीर्ति कुल्हारी 24 जुलाई की रात अंधेरी पश्चिम के एक मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखने गई थीं। इसी दौरान उनके मोबाइल फोन पर विदेशी लेनदेन से जुड़ा एक बैंक अलर्ट आया। मैसेज में बताया गया था कि उनके क्रेडिट कार्ड के जरिए एक एयरोमेक्सिको एयरलाइन पर 2525 अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया है। अचानक मिले इस अलर्ट से चौंकी अभिनेत्री ने तुरंत बैंक के कस्टमर सर्विस सेंटर से कॉन्टेक्ट किया। बैंक की जांच में सामने आया कि उनके कार्ड से चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन किए गए थे, ये ट्रांसजेक्शन 2.43 लाख रुपये से ज्यादा थीं। संभावित नुकसान को रोकने के लिए बैंक ने फौरन कार्ड को ब्लॉक कर दिया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कार्ड का पासवर्ड और अन्य कॉन्फिडेंशियल जानकारी किसी के साथ शेयर नहीं की गई थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि साइबर ठगों ने किसी तकनीकी माध्यम से कार्ड की जानकारी हासिल की। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं मोबाइल फोन, ऑनलाइन अकाउंट या किसी अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए डेटा कॉम्प्रोमाइज्ड तो नहीं हुआ। अंबोली पुलिस और साइबर एक्सपर्ट्स अब बैंकिंग रिकॉर्ड, ट्रांजैक्शन लॉग और डिजिटल फुटप्रिंट्स की मदद से आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस का मानना है कि इस तरह के अपराधों में अक्सर इंटरनेशनल नेटवर्क या एडवांस साइबर टेक्निक का इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इस देश ने बनाई खास आइसक्रीम, खाते ही दूर हो जाता है सिरदर्द, इसमें मिलाते हैं पैरासिटामोल!

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक बार फिर एक अनोखी आइसक्रीम चर्चा का विषय बनी हुई है। दावा किया जा रहा है कि नीदरलैंड में ऐसी आइसक्रीम बनाई गई, जिसमें पैरासिटामोल मिलाया जाता है और इसे खाने से सिरदर्द तुरंत दूर हो जाता है। पहली नजर में यह खबर बेहद दिलचस्प लगती है, लेकिन जब इसकी सच्चाई सामने आती है तो तस्वीर काफी अलग दिखाई देती है। असल में इंटरनेट पर वायरल हो रही यह कहानी पूरी तरह सही नहीं है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पैरासिटामोल वाली आइसक्रीम कभी भी आम लोगों के लिए नियमित रूप से बेची या स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा मंजूर नहीं की गई थी। इसे बस एक बार पेश किया गया था लेकिन बाद में इसे बंद कर दिया गया।

यह कहानी साल 2016 से जुड़ी बताई जाती है। नीदरलैंड में एक पेस्ट्री शेफ मैडी ने कार्निवल के दौरान प्रदर्शन के लिए एक अनोखा मेडिसिन-इन्फ्यूज्ड जेलाटो तैयार किया था। इसमें पैरासिटामोल मिलाने का विचार लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए रखा गया था। जैसे ही इस अनोखी आइसक्रीम की चर्चा फैली, यह खबर तेजी से सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में फैल गई। लोगों ने इसे सिरदर्द की दवा और मिठाई का अनोखा मिश्रण बताना शुरू कर दिया। इसका जवाब है नहीं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, इस आइसक्रीम को कभी भी नियमित रूप से बाजार में बेचने की अनुमति नहीं मिली। स्वास्थ्य अधिकारियों ने दवा की मात्रा, सुरक्षा और दवा से जुड़े नियमों को देखते हुए इस तरह के उत्पाद पर आपत्ति जताई। दवाओं की सही खुराक तय करना बेहद जरूरी होता है। आइसक्रीम जैसे खाद्य पदार्थ में दवा मिलाने से यह सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है कि हर व्यक्ति को सुरक्षित मात्रा ही मिले। यही कारण था कि इसे सार्वजनिक बिक्री की मंजूरी नहीं मिली थी। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी दवा को खाद्य पदार्थ में मिलाकर बेचना आसान नहीं होता। इसके लिए कई सख्त नियमों का पालन करना पड़ता है। यदि किसी व्यक्ति को पहले से पैरासिटामोल की दवा दी जा चुकी हो और वह अनजाने में ऐसी आइसक्रीम भी खा ले, तो निर्धारित मात्रा से अधिक दवा शरीर में पहुंच सकती है। इससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसी वजह से दवा और सामान्य खाद्य पदार्थों को अलग-अलग श्रेणियों में रखा जाता है और दोनों पर अलग-अलग नियम लागू होते हैं।

अजब-गजब **इस देश में कुत्तों की संख्या हुई बच्चों से ज्यादा**

इस देश में बच्चे पैदा करने से कतरा रहे लोग, गोद ले रहे पालतू जानवर

यूरोप के खूबसूरत देश इटली में इन दिनों एक ऐसा सामाजिक बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसने विशेषज्ञों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। कभी बड़े संयुक्त परिवारों और पारिवारिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध यह देश अब घटती जन्मदर और बढ़ती पालतू जानवरों की संख्या को लेकर चर्चा में है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि इटली में अब 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की तुलना में पालतू जानवरों की संख्या कई गुना अधिक हो चुकी है।

इस बदलाव ने केवल जनसंख्या विशेषज्ञों को ही नहीं, बल्कि नीति निर्माताओं और समाजशास्त्रियों को भी चिंतित कर दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर क्यों बड़ी संख्या में लोग बच्चे पैदा करने की बजाय कुत्ते, बिल्लियां, मछलियां और अन्य पालतू जानवर पालना पसंद कर रहे हैं। इटली के पालतू पशु उद्योग संगठन Assalco के अनुमान के अनुसार, देश में लगभग 5.36 करोड़ पालतू जानवर हैं. इनमें— करीब 2.5 करोड़ मछलियां लगभग 1.1 करोड़ बिल्लियां, करीब 91 लाख कुत्ते, इसके अलावा पक्षी, छोटे स्तनधारी और अन्य पालतू जीव शामिल हैं। वहीं दूसरी

ओर, इटली में 15 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या केवल लगभग 76 लाख है। यानी देश में बच्चों की तुलना में पालतू जानवरों की संख्या कई गुना अधिक हो चुकी है।

आंकड़ों के मुताबिक, इटली में हर साल जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या घटकर लगभग 3.93 लाख रह गई है, जो हाल के वर्षों का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है। देश की कुल प्रजनन दर भी घटकर प्रति महिला लगभग 1.18 बच्चे रह गई है। किसी देश की जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए आमतौर पर यह दर लगभग 2.1 मानी जाती है। इससे कम प्रजनन दर लंबे समय में आबादी घटने का संकेत देती है।

विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण आर्थिक अनिश्चितता माना जा रहा है। महंगे मकान, बढ़ती जीवन-यापन लागत और रोजगार को लेकर अस्थिरता के कारण कई युवा शादी और माता-पिता बनने का फैसला टाल रहे हैं। इसके अलावा आधुनिक जीवनशैली भी बड़ी भूमिका निभा रही है। कई युवा अपने करियर, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और यात्रा जैसी प्राथमिकताओं को पहले रखना चाहते हैं।

इटली में अब बड़ी संख्या में लोग अपने पालतू जानवरों को परिवार का सदस्य मानते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 54.5 प्रतिशत परिवारों के पास कम से कम एक पालतू जानवर है। कुत्तों और बिल्लियों के अलावा मछलियां, खरगोश और अन्य छोटे पालतू जीव भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे है। कई परिवार अपने पालतू जानवरों के जन्मदिन मनाते हैं, उनके लिए विशेष भोजन खरीदते हैं और नियमित स्वास्थ्य जांच भी कराते हैं।

दिल्ली में लक्ष्मी योजना को लेकर सियासत गरमाई

आप और कांग्रेस ने उठाए सवाल भाजपा को जमकर घेरा

» रेखा सरकार का फरमान- जिन महिलाओं के हैं तीन बच्चे, नहीं मिलेंगे 2500 रुपये!

» आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में कदम, भाजपा घोषणा का स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की प्रदेश सरकार की लक्ष्मी योजना को लेकर राजधानी की सियासत गरमा गई है। भाजपा इसे महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और चुनावी वादा पूरा करने वाला कदम बता रही है, जबकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने पात्रता की शर्तों को लेकर सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है। विपक्ष का दावा है कि कड़ी शर्तों के कारण ज्यादातर महिलाएं योजना से बाहर हो जाएंगी, जबकि भाजपा ने इन आरोपों को भ्रामक बताते हुए योजना का बचाव किया।

प्रदेश भाजपा ने दिल्ली लक्ष्मी योजना की घोषणा का स्वागत करते हुए इसे महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार जताया। पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने राजनीतिक कारणों से केंद्र की कई जनकल्याणकारी योजनाओं को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया। सहरावत ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद लंबित केंद्रीय योजनाएं लागू की गईं और अब दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये देने का वादा भी पूरा किया जा रहा है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री मोदी के 'वुमेन-लेड डेवलपमेंट' विजन को आगे बढ़ाती है। उनके अनुसार, 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की करीब 17 लाख पात्र महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

योजना की शर्तें इतनी कि 5 लाख महिलाओं को भी नहीं मिल पाएगा लाभ : केजरीवाल

दिल्ली सरकार की लक्ष्मी योजना की पात्रता शर्तों को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार तीन से अधिक बच्चों वाली महिलाओं को 2,500 की सहायता से वंचित कर रही है।

भारद्वाज लगातार तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे : प्रवीण

वहीं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि सौरभ भारद्वाज लगातार तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं। प्रवीण शंकर कपूर ने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने अपने कार्यकाल के शुरुआती 16 महीनों में ही महिला सम्मान राशि योजना का पहला चरण शुरू कर दिया है, जिससे 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता ने सौरभ भारद्वाज के इस आरोप को भी गलत बताया कि जिसमें 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिलने की बात कही है।

62 लाख महिलाओं के साथ धोखा और भद्दा मजाक : सौरभ भारद्वाज

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने प्रेस वार्ता में योजना की शर्तों पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने हर महिला को 2,500 देने का वादा किया था, लेकिन अब ऐसी शर्तें लगा दी गई हैं कि अधिकांश महिलाएं लाभ से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने 60 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को योजना से बाहर रखने, 10 वर्ष का निवास प्रमाण मांगने, छोटे मामलों में भी अपात्र घोषित करने तथा बिजली खपत जैसी शर्तों पर आपत्ति जताई। सौरभ ने दावा किया कि सरकार 17 लाख महिलाओं को लाभ देने की बात कर रही है, जबकि वास्तविकता में केवल करीब पांच लाख महिलाएं ही पात्र होंगी। उन्होंने योजना को 62 लाख महिलाओं के साथ धोखा और भद्दा मजाक बताया।

पूरे परिवार का कर देंगे सफाया

» पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी, दिल्ली पुलिस को लिखा लेटर

» कंगना के खिलाफ की थी कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। उन्होंने इसके लिए डीसीपी नई दिल्ली को पत्र भी लिखा है। आरोप है कि उनकी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी भेजी गई। शिकायत में सांसद को गोली मारने और पूरे परिवार का सफाया करने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पप्पू यादव ने मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

साथ ही उन्होंने धमकी भेजने वाले आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की भी मांग की है। सांसद और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ाने की भी मांग की गई। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भी इस धमकी की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, आज फिर जान से मारने की धमकी फिर मिली है पूरे परिवार को बम से उड़ाने का भी दावा किया है पर हम जनता की सेवा के पथ से विचलित नहीं होंगे युवाओं, छात्रों और मज़लूमों के लिए सब कुर्बान! पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने बीजेपी सांसद कंगना रनौत पर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कंगना राणावत ने पूरी पीढ़ी को गाली दिया Gutter जनरेशन कहा, हमारी बेटियों पर अनगिनत लोगों के साथ हमबिस्तर होने का आरोप लगाया। उनकी जवाबदेही कब तय होगी? उन्हें सदन से निष्कासित किया जाए। गिरफ्तार कर मुकदमा हो। पप्पू यादव ने तंज कसते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी GenZ को फ्रेंड्स कहते हैं। यह उन्हें गटर जनरेशन गद्दार कहती हैं। जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन और कुछ बयानों पर कंगना ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कभी एक जगह पर इतनी बदसूरती नहीं देखी। 'जेन जी' प्रदर्शनों की ये रील्स उल्टी लाने वाली हैं।

शुभमन गिल फिर बने वनडे के नंबर-1 बल्लेबाज

» टी20 रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा, वैभव ने लगाई 230 पायदान की छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने एक बार फिर आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज का ताज एक बार फिर से हासिल कर लिया है। वहीं, जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले 15 साल के युवा वैभव सूर्यवंशी ने टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में 230 स्थानों की लंबी छलांग लगाकर 48वां स्थान हासिल कर लिया है। शुभमन गिल अपने करियर में तीसरी बार वनडे रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचे हैं।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल वेस्टइंडीज सीरीज में नहीं खेल रहे थे, जिसका फायदा शुभमन गिल को मिला और वे मिचेल को पछाड़कर दोबारा वनडे के शीर्ष बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, टी20 रैंकिंग में भारत के ईशान किशन 910 रेटिंग पॉइंट्स के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। जो अभिषेक शर्मा (931) और डेविड मलान (919) के बाद तीसरी सबसे बड़ी रेटिंग है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 151 रन बनाने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी 230 पायदान चढ़कर सीधे 48वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा दो स्थान के सुधार के साथ टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर आ गए हैं, जबकि श्रेयस अय्यर सात पायदान की छलांग लगाकर 24वें स्थान पर पहुंचे हैं। गेंदबाजों में लेग स्पिनर रवि बिश्नोई 31 स्थानों के सुधार के साथ गेंदबाजी रैंकिंग में 41वें नंबर पर आ गए हैं। चोट के कारण जिम्बाब्वे दौरे से बाहर रहने वाले वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान खिसकने के बावजूद अभी भी टॉप-10 गेंदबाजों में बने हुए हैं। वहीं टेस्ट में वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ऑलराउंडरों की सूची में भी 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बाबर आजम टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अब लीडरशीप की भूमिका में भी दिखेंगे वैभव सूर्यवंशी

कोलकाता। भारतीय टीम के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी मैदान पर अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवा चुके हैं। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। घरेलू क्रिकेट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले वैभव अब लीडरशीप की भूमिका में भी नजर आएंगे। सूर्यवंशी को अगले महीने से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी के लिए ईशान किशन की अगुआई वाली पूर्व क्षेत्र टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त से छह सितंबर तक बंगलूरू स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। बंगाल और झारखंड के खिलाड़ियों के वर्चस्व वाली टीम में 15 वर्षीय सूर्यवंशी को अपने पहले लाल गेंद के क्षेत्रीय टूर्नामेंट में ही उपकप्तान बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि उन्हें सभी प्रारूपों के खिलाड़ी के रूप में तैयार किया जा रहा है।

भाजपा मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रही : सुक्खू

» एडीआर रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रे टिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा लगाए गए आरोपों पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कड़ा पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिपोर्ट के बहाने उन्हें बदनाम करने की सुनियोजित कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने कोई नई संपत्ति नहीं खरीदी है और अपनी सभी संपत्तियों का विवरण पहले ही चुनावी शपथपत्र (एफिडेविट) में सार्वजनिक कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस जमीन का जिक्र एडीआर रिपोर्ट में किया जा रहा है, वह उन्होंने काफी पहले खरीद ली थी। समय के साथ उस जमीन की कीमत स्वाभाविक रूप से बढ़ी है और उसी जमीन पर उन्होंने अपना मकान बनाया है, जिसकी मौजूदा कीमत भी बढ़ी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सारी जानकारी सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा है और पहले से ही उपलब्ध है। सुक्खू ने एडीआर रिपोर्ट में उनकी शैक्षणिक योग्यता के अधूरे उल्लेख पर भी आपत्ति जताई।

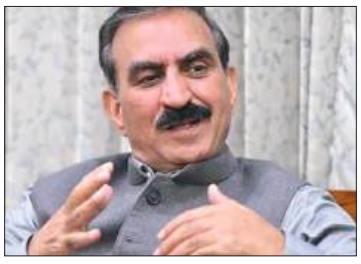

अब सुधारा, सूचना पर खर्च पालिका देगी या सरकार!

» महमूदाबाद नगर पालिका में गलत तरीके से टेंडर देने के मामले का डीएम कराएंगे जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। महमूदाबाद नगर पालिका ने राज्य वित्त आयोग के 42 कार्यों के टेंडर जारी किए थे। खामियां पाए जाने पर सात दिन बाद दोबारा से टेंडर जारी किए जाने का दावा अधिशासी अधिकारी पालिका ने किया। ऐसे में जो टेंडर दोबारा जारी किए जाएंगे उनका खर्च पालिका से होगा या आयोग से इसका अभी भी संशय है। आयोग ने इंटरलॉकिंग और नाला निर्माण संबंधी कुल 42 कार्यों की स्वीकृति नगर पालिका को प्रदान की। हालांकि डीएम ने जांच की बात कही है।

महमूदाबाद नगर पालिका ने बाकायदा बजट के साथ इसका टेंडर भी पीडीएफ में प्रकाशित किया। जिसमें बाद में अधिशासी अधिकारी पालिका पवन किशोर मौर्य ने एडीएम आयुष चौधरी को बताया कि सिर्फ एक राष्ट्रीय समाचार पत्र और अन्य स्थानीय समाचार पत्रों में इसकी सूचना दी गई। लेकिन ये सूचना जो समय बढ़ गया हो वो गैर जनपद के ठेकेदारों तक कैसे पहुंची इसका जवाब उन्होंने नहीं दिया। अब स्थानीय ठेकेदारों को भी सुधार कर के दोबारा जारी किए गए इन टेंडरों की जानकारी कैसे मिलेगी यह आगामी वक्त बताएगा। टेंडर खोले जाने की तिथि 29 जुलाई थी लेकिन अब टेंडर कब खुलेंगे इसका अभी तक कोई भी पूर्वानुमान नहीं है। अधिशासी अधिकारी ने टेंडरों को संशोधित कर पुन: प्रकाशित किए जाने का दावा भले ही किया हो लेकिन दोबारा टेंडर प्रकाशित कराने में विज्ञापन का खर्चा भी अलग से आयेगा। ऐसे में एक ही टेंडर में विज्ञापन के नाम पर दो बार भुगतान कहीं न कहीं सरकार की निधि में घोटाला साबित होगा। फिलहाल जांच जिलाधिकारी स्तर से की जा रही है। इस बाबत पहले तो एडीएम और अधिशासी अधिकारी पालिका के मध्य में वार्तालाप हुआ लेकिन 4पीएम का दोनों ने फोन नहीं उठाया।

गैर जनपद के ठेकेदारों तक नहीं पहुंचेगी सूचना

नगर पालिका में कुछ ठेकेदार ऐसे भी हैं जो गैर जनपद से ताल्लुक रखते हैं। जो सूत्रों का दावा है अधिशासी अधिकारी के रिश्तेदार हैं उन तक इस टेंडर की सूचना कैसे पहुंचेगी ये भी स्वतः में बड़ा सवाल है। हालांकि विवेकशील जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर की साफ-सुथरी और पारदर्शी कार्यशैली के आगे इस खेल का उजागर होना कोई असंभव टास्क नहीं है।

एडीएम और अधिशाषी अधिकारी मामले के बाद हुए निरुत्तर

केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, मांगा जवाब

» शीर्ष अदालत बोली- पेलेट गन पर पूरी रोक नहीं लगा सकते, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल पर विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार (30 जुलाई) को पैलेट गन के इस्तेमाल पर एसओपी को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने संकेत दिया है कि पैलेट गन के इस्तेमाल पर पूरी रोक नहीं लग सकती हालांकि वो स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल पर विचार करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को भीड़ पर पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक की मांग को लेकर सुनवाई हुई। वकील ने बताया कि 2 घायल लोगों ने याचिका लगाई है। इस पर देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि सुरक्षा नियमावली परिस्थिति के हिसाब से पैलेट गन के इस्तेमाल की अनुमति देते हैं। आपको इस नियम

को चुनौती देनी होगी। आपकी याचिका में इसके बिना रोक की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि वहां रबर नहीं मेटल पैलेट का इस्तेमाल हुआ, मेटल पैलेट का इस तरह इस्तेमाल रुकना चाहिए, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम विचार से मना नहीं कर रहे लेकिन उचित याचिका दाखिल की जानी चाहिए, इसके अलावा चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम प्रोटोकॉल भी बनाने वाले हैं।

इसके अलावा कोर्ट ने रामलीला मैदान में पुलिस कार्रवाई का भी हवाला दिया। साथ ही यह भी कहा कि ब्रिटिश काल में परिस्थिति पड़ने पर सीने में गोली मारने का नियम था लेकिन अब स्थिति अलग है। वहीं दूसरी ओर इस मामले पर वकील ने कहा कि दिल्ली पुलिस की नियमावली में पैलेट गन के इस्तेमाल की बात हमें नहीं दिखी।

पुलिस को दिया गया आदेश रिकॉर्ड पर आना चाहिए : वृंदा ग्रोवर

वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि हमें विश्वास है कि सरकार युवा छात्रों पर पैलेट नहीं चलवाना चाहेगी, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वहां उपद्रवी भी घुस गए थे, सभी परिस्थितियों को देखना होगा, इसके जवाब में वकील ने कहा कि पुलिस को दिया गया आदेश रिकॉर्ड पर आना चाहिए, साथ ही ये भी कहा कि रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी किया है, इसके अलावा कोर्ट ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर एसओपी को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

बांकीपुर व दतिया उपचुनाव में बवाल!

बिहार में भाजपा और जनसुराज कार्यकर्ताओं में झड़प, पुलिस ने संभाला मोर्चा

» दतिया में कुछ गांवों के लोगों ने वोट नहीं डाला

» मप्र में भाजपा व कांग्रेस में कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना -भोपाल। बिहार व मप्र में क्रमश : बांकीपुर व दतिया में उपचुनाव हो रहे। दोपहर तक दतिया में लगभग 48 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग हुई। जबकि बांकीपुर मतदान बहुत धीमा रहा मात्र 20 प्रतिशत। इस बीच इन जगहों पर कुछ बूथों पर भाजपा व उसके विरोधियों के बीच झड़प की खबरें है। दतिया कुछ गांवों में लोगों ने वोट नहीं डाला। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान किदवईपुरी स्थित मतदान केंद्रों के बाहर भाजपा और जन सुराज के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई।

पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया, जिसके बाद मतदान सामान्य रूप से जारी रहा। इससे एक दिन पहले भी जन सुराज के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था, जिस पर पार्टी ने विरोध जताया था। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया, जिसके बाद मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा। जानकारी के अनुसार, किदवईपुरी स्थित मतदान केंद्र संख्या 101, 102 और 103 के बाहर दोनों दलों के समर्थकों के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। जन सुराज के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के पूर्व प्रत्याशी बंटी मतदान केंद्र के पास मतदाताओं को डराने और प्रभावित करने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि भाजपा ने इन आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

दतिया में 48.91 प्रतिशत हुआ मतदान, भाजपा में निष्कासन का फर्जी लेटर वायरल

दतिया उपचुनाव में सुबह 11 बजे तक 32.53 प्रतिशत मतदान हुआ है। जबकि सुबह 9 बजे तक 12.94 प्रतिशत मतदान हुआ था। निर्वाचन आयोग ने यह आंकड़ा जारी किया है। दतिया विधानसभा उपचुनाव के मतदान के दिन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नाम से एक कथित फर्जी निष्कासन पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने से सियासी हलचल मच गई। भाजपा ने पत्र को फर्जी बताते हुए साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है, जबकि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दतिया के बसई के लखनपुर गांव में उपचुनाव का विरोध किया गया है। इस मतदान केंद्र पर अब तक कोई वोट नहीं पड़ा है। ग्रामीणों ने कहा कि रोड नहीं तो वोट नहीं। पूर्व के कई माह से ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग उठा रहे थे।

प्रशांत किशोर ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर बुधवार देर रात समर्थकों के साथ जक्कनपुर थाना पहुंचे और पुलिस कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसी कार्यकर्ता ने कानून का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए, लेकिन बिना जानकारी दिए लोगों को हिरासत में लेना उचित नहीं है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरव सिंह और महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने भी पुलिस कार्रवाई को एकतरफा बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। इन आरोपों पर पुलिस की ओर से विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मतदाता तोड़ेंगे भाजपा का अहंकार : घनश्याम सिंह

कांग्रेस के प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने वोटिंग कर दी है। इस दौरान मीडिया के समक्ष उन्होंने अपनी बात रखी है। सिंह ने कहा कि मतदाता भाजपा का अहंकार तोड़ेंगे। बसई में कांग्रेस के पोलिंग एजेंट को प्रवेश न मिलने पर सवाल खड़ा किया है। साथ ही कहा कि हम अधिकारियों से इस पर चर्चा करेंगे।

हॉकी इंडिया की जर्सी का रंग भगवा करने पर भड़कीं प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर भगवा किए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, चाहे वे जर्सी का रंग बदलें या शिक्षा नीति के जरिये इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें, वे चाहे जो भी करें। आपने देखा है कि हमारे देश के युवा क्या सोचते हैं। आपने जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं की बात सुनी है। यह देश की आवाज है।

प्रियंका गांधी ने कहा, अहिंसा और सत्य पर इस देश की आजादी की लड़ाई की नींव रखी गई थी। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कोई भूमिका नहीं थी। पूरा देश इस सच्चाई को जानता है। जिन लोगों को नहीं पता था, उनको आज पता चल रहा कि इनकी नीयत क्या है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने आंदोलन का नेतृत्व किया था। इस देश की आत्मा अहिंसा, सत्य और भाईचारे पर आधारित है। इसे कोई नहीं छीन सकता, न आरएसएस और न ही कोई और। वे चाहे जितना भी समाज में विभाजन पैदा करें, हिंसा भड़काएं या नफरत फैलाएं, लेकिन देश की आत्मा कायम रहेगी, जो भाईचारे, आपसी प्रेम और एकता से बनी है। वे इसे खत्म नहीं कर सकते।

पंजाब में पेपर लीक पर बवाल आप ऑफिस के बाहर प्रदर्शन

दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में कथित प्रश्नपत्र लिक के मामले को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। इस गंभीर मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली स्थित आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

संभावित प्रदर्शन को देखते हुए, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए कार्यालय परिसर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। भाजपा कार्यकर्ता

पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उनका आरोप है कि राज्य सरकार इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। प्रश्नपत्र रिसाव से हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है।

अपराधियों पर और तेज होगी कार्रवाई

» तरुण गाबा ने संभाला लखनऊ पुलिस कमिश्नर का कार्यभार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी तरुण गाबा ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर का कार्यभार संभाल लिया। महानगर स्थित पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद निवर्तमान पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने उन्हें औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा।

पदभार ग्रहण करने के बाद तरुण गाबा ने कहा कि बदलते समय के साथ अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। राजधानी में साइबर क्राइम सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि लखनऊ पुलिस ने अब तक साइबर अपराध के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब इस अभियान को और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस की तकनीकी क्षमता बढ़ाई जाएगी और साइबर टीम को और सशक्त बनाया जाएगा। साथ ही लोगों को साइबर ठगी के नए-नए तरीकों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा, ताकि वे सतर्क रहें और ठगी का शिकार होने से बच सकें।

पुलिस कमिश्नर ने कहा कि साइबर थानों और तकनीकी संसाधनों को और सशक्त बनाया जाएगा। जिन मामलों में लोगों की रकम साइबर ठगी में फंस जाती है, उनमें विभिन्न एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द धन वापस दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इसे प्राथमिकता में रखा जाएगा।

कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक भी प्राथमिकता

तरुण गाबा ने कहा कि राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। राजधानी होने के कारण यहां लगातार वीवीआईपी कार्यक्रम, धरना-प्रदर्शन और बड़े आयोजन होते रहते हैं। ऐसे सभी आयोजनों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आम लोगों को कम से कम असुविधा हो और शांति व्यवस्था बनी रहे।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**